प्राक्कथन

इस प्रतिवेदन को संविधान के अनुच्छेद 151 के प्रावधानों के अंतर्गत तैयार किया गया है। लेखापरीक्षा, भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के निष्पादन लेखापरीक्षा दिशा-निर्देशों और लेखा एवं लेखापरीक्षा पर विनियमों 2007 के अनुसार की गई है।

इस प्रतिवेदन में ''एयर इंडिया लिमिटेड की टर्न अराउंड योजना (टीएपी) एवं वित्तीय पुनर्गठन योजना (एफआरपी)'' पर निष्पादन लेखापरीक्षा के परिणाम शामिल हैं। लेखापरीक्षा में 2010-11 से 2015-16 तक की अवधि शामिल की गई है। यह प्रतिवेदन नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए), महानिदेशक, नागर विमानन (डीजीसीए), एयर इंडिया लिमिटेड (एआईएल) आदि से जुड़े दस्तावेजों की समीक्षा पर आधारित है। इस प्रतिवेदन को संविधान के अनुच्छेद 151 के अंतर्गत भारत के राष्ट्रपति को प्रस्तुत करने के लिए तैयार किया गया है, जो 2011-12 की प्रतिवेदन संख्या 18 को आगे बढ़ाती है, जिसमें भारत के नागरिक विमानन का निष्पादन शामिल है।

एआईएल की टर्न अराउंड योजना और वित्तीय पुनर्गठन योजना को भारत सरकार द्वारा अप्रैल 2012 में मंजूरी दी गई थी। कई बदलाव कार्यों को मार्च 2015 तक पूर्ण किया जाना था। सरकार ने 2011-12 से 2031-32 की अवधि के दौरान ₹42182 करोड़ की इक्विटी निवेश की प्रतिबद्धता जताई थी। इसी संदर्भ में टीएपी एवं एफआरपी की लेखापरीक्षा को लेखापरीक्षा समीक्षा में शामिल किया गया।

लेखापरीक्षा में एआईएल के अत्यधिक अल्पावधि ऋण प्रारंभिक वर्षों में इक्विटी विमोचन में कमी और परिसंपत्तियों के मौद्रीकरण में कमी के कारण वित्तीय पुनर्गठन के लाभ में कमी का पता चला। एआईएल को संकरा ढांचा वाले विमानों की भारी कमी का सामना करना पड़ा जिससे अतिरिक्त विमानों का बहुत अधिक पट्टाकरण हुआ। टीएपी में लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विमान के उपयोग, समय पर निष्पादन से संबंधित एआईएल के संचालनात्मक निष्पादन में सुधार करना होगा। जबकि एआईएल ने अपने परिवर्तनीय लागत से अधिक प्राप्त किया और सभी सेवाओं से ईंधन लागत वसूल हो गई थी, इसको एयर टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में तेज गिरावट के लिए काफी हद तक जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। कम्पनी को संचालन की पूरी लागत अभी भी वसूलना बाकी है। टीएपी के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन के

लिए मानव संसाधन प्रबंधन और आईटी प्रणाली के एकीकरण में सुधार की आवश्यकता है। विदेशी वाहकों को द्विपक्षीय अधिकार प्रदान करते हुए सरकार को एआईएल पर इसके प्रभावों को भी ध्यान में रखना चाहिए।

लेखापरीक्षा, निष्पादन लेखापरीक्षा के दौरान एमओसीए, डीजीसीए और एआईएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा दिये गए सहयोग एवं सहायता के लिए आभार व्यक्त करती है।